****

**¨sÁμÁAvÀgÀ CzsÀåAiÀÄ£À «¨sÁUÀ**

**«zÁåyðUÀ¼À «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ**

**(¦JZï.r, JA¦ü¯ï, JA.J,¦JZï.r, ¸ÁªÀiÁfPÀ ªÀUÀðªÁgÀÄ «zÁåyðUÀ¼À ¸ÀASÉå)**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **PÀæ. ¸ÀA.** | **«ªÀgÀ** | **¦JZï.r.** | | | **JA.¦ü¯ï** | | | **JA.J.¦JZï.r** | | |
| **ºÉtÄÚ** | UÀAqÀÄ | **MlÄÖ** | **ºÉtÄÚ** | **UÀAqÀÄ** | **MlÄÖ** | **ºÉtÄÚ** | **UÀAqÀÄ** | **MlÄÖ** |
| 1. | ¸ÁªÀiÁ£Àå ªÀUÀð (GM) | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 2. | ¥À.eÁ (SC) | - | 04 | 04 | - | - | - | 02 | - | 02 |
| 3. | ¥À.¥ÀA. (ST) | 01 | 01 | 02 | - | - | - | - | 01 | 01 |
| 4. | »AzÀÄ½zÀ ªÀUÀð (OBC) | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 4.1. | ¥Àæ.ªÀUÀð-1 | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 4.2. | ¥Àæ.ªÀUÀð-2J | 01 | 01 | 02 | - | - | - | 01 | 01 | 02 |
| 4.3. | ¥Àæ.ªÀUÀð-2© | - | - | - | - | - | - | - | 01 | 01 |
| 4.4. | ¥Àæ.ªÀUÀð-3J | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 4.5. | ¥Àæ.ªÀUÀð-3© | - | - | - | - | - | - | 01 | - | 01 |
| 5. | CAUÀ«PÀ®gÀÄ (PH) | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 6. | EvÀgÉ | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **MlÄÖ** | | **02** | **06** | **08** | **-** | **-** | **-** | **04** | **03** | **07** |